मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKG–172

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एस.के.जी.–172 : भारतीय दर्शन के मूल सिद्धान्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न–पत्र में **तीन** खण्ड हैं।*

(ii) तीनों खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 20 = 40$

(i) न्याय तथा मीमांसा दर्शन के अनुसार प्रामाण्यवाद की समीक्षा कीजिए।

(ii) वेदान्त-परम्परा में जगत् की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

(iii) जैन दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

(iv) दर्शन की परिभाषा देते हुए भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन की पृष्ठभूमि की समीक्षा कीजिए।

खण्ड—ख

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$3 \times 10 = 30$

(i) बौद्ध दर्शन का परिचय दीजिए।

(ii) योग दर्शन के अनुसार यम एवं नियम का वर्णन कीजिए।

(iii) वैशेषिक दर्शन के अनुसार पदार्थों का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(iv) विशिष्टाद्वैतवाद से क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए।

(v) न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण का भेदों सहित स्वरूप लिखिए।

(vi) श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार कर्म एवं पुनर्जन्म की व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ग

(टिप्पणयात्मक प्रश्न)

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$5 \times 6 = 30$

(i) सामान्य

(ii) विवर्तवाद

(iii) माया तथा अविद्या में अन्तर

(iv) सांख्यकारिका के अनुसार पुरुष-सिद्धि

(v) तृतीय आर्य सत्य

(vi) क्षणिकवाद

(vii) चार्वाक के अनुसार प्रमाण

× × × × ×